भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 31 जनवरी, 2026
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से, 1 से 3 फरवरी के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में हल्की से मध्यम छिटपुट/काफी व्यापक बारिश/बर्फबारी और उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के आस-पास के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम अलग-अलग/छिटपुट बारिश होने की संभावना है। इसके बाद, 5-7 फरवरी, 2026 के दौरान एक तीसरे पश्चिमी विक्षोभ से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र प्रभावित होने की संभावना है।

(ii) अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत में रात के तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और दिन के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई वास्तविक मौसम (आज 31 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर घने से बहुत घने कोहरे (दृश्यता <50 मीटर) की स्थिति बनी रही; हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में और बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय के अलग-अलग हिस्सों में घने कोहरे (दृश्यता 50-199 मीटर) की स्थिति है।
- रिपोर्ट की गई दृश्यता (मीटर में ≤200 मीटर): उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: जलपाईगुड़ी(50), बागडोगरा(100); बिहार: भागलपुर(50) , गया(100) ; हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर (40); पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बरेली (आईएएफ), सरसावा (आईएएफ), हिंडन (आईएएफ), अलीगढ़ एपी और आगरा (आईएएफ) (00) प्रत्येक, मेरठ (10), बरेली (एपी) (20), बरेली, आगरा ताज और अलीगढ़ (30) प्रत्येक, हमीरपुर (40), इटावा, आगरा ताज, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर (50) प्रत्येक, शाहजहाँपुर (70), एएमएस मोरादाबाद और नजीबाबाद (100) प्रत्येक; पूर्वी उत्तर प्रदेश: आज़मगढ़ और कानपुर आईएएफ (00) प्रत्येक, कानपुर सिटी, बलिया-20 प्रत्येक, लखनऊ (एपी), वाराणसी (एपी), चुर्क, फतेहपुर और फुर्सतगंज (50) प्रत्येक, प्रयागराज, सुल्तानपुर (60) प्रत्येक, हरदोई, फतेहगढ़-80 प्रत्येक, प्रयागराज (आईएएफ) (100); असम और मेघालय: जोरहाट (150), बारापानी (100); पंजाब:पटियाला(50); हरियाणा: अंबाला(00), करनाल(00)

पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में न्यूनतम तापमान 0-5°C था; उत्तराखंड, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों, मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, झारखंड, सिक्किम, असम, मेघालय और मणिपुर में 5-10°C था। देश के बाकी हिस्सों में यह 10°C और उससे ज़्यादा था, सिवाय जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद के ऊँचे इलाकों को छोड़कर जहाँ यह 0°C से कम था।
- न्यूनतम तापमान में सामान्य से ज़्यादा (3°C से 5°C) की बढ़ोतरी हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम भारत में हुई, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, असम और मेघालय और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में (1°C से 3°C) की बढ़ोतरी हुई, और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब रहा। (परिशिष्ट IV देखें)
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.8°C फरीदकोट (पंजाब) में दर्ज किया गया।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (संलग्नक I एवं II देखें):

- एक पश्चिमी विक्षोभ अब चक्रवाती परिसंचरण के रूप में उत्तरी अफगानिस्तान और आसपास के इलाकों में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर ऊंचाई के साथ उत्तर-पश्चिम की ओर झुका हुआ है।
- एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर मध्य पाकिस्तान के ऊपर बना हुआ है।
- एक ट्रफ निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर मध्य पाकिस्तान के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण से पंजाब और हरियाणा होते हुए उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश तक फैली हुई है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर उत्तरी गुजरात और आसपास के इलाकों में बना हुआ है।
- औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 115 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम उत्तरी भारत पर बनी हुई है।
- ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण अब निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और उससे सटे लक्षद्वीप क्षेत्र और केरल तट पर बना हुआ है।
- 02 फरवरी 2026 की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है।
- 05 फरवरी 2026 की रात से एक और नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

- 31 जनवरी को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 01 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में और 01-02 फरवरी को उत्तराखंड में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 50 किमी प्रति घंटे तक) के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- 01 फरवरी को पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ में और 01-03 फरवरी के दौरान उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में; 31 जनवरी -02 फरवरी के दौरान पूर्वी राजस्थान में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 50 किमी प्रति घंटे तक) के साथ कुछ जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है।
- 31 जनवरी-01 फरवरी को पूर्वी राजस्थान में और 01 फरवरी, 2026 को पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी कुछ जगहों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 3-5°C की बढ़ोतरी होगी, अगले 48 घंटों के दौरान कोई खास बदलाव नहीं होगा; उसके बाद अगले 4 दिनों में 2-4°C की गिरावट आएगी।
- अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात राज्य में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद अगले 2 दिनों में धीरे-धीरे 3-5°C की गिरावट आएगी और उसके बाद अगले 4 दिनों में धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होगी।
- देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घना कोहरा, शीत दिवस चेतावनियां:

- असम और मेघालय, सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश में 01 फरवरी तक और ओडिशा में फरवरी तक और पूर्वी राजस्थान में 04 और 05 फरवरी को सुबह/रात के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- 31 जनवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और 31 जनवरी और 01 फरवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ इलाकों में कोल्ड डे की स्थिति रहने की संभावना है।

दिल्ली/एनसीआर में 31 जनवरी-03 फ़रवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक I

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	31- Jan	1- Feb	2- Feb	3- Feb	4- Feb	5- Feb	6- Feb
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	SCT	ISOL	SCT	ISOL	DRY	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	FWS	SCT	SCT	DRY	DRY	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	FWS	ISOL	FWS	DRY	ISOL	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	SCT	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

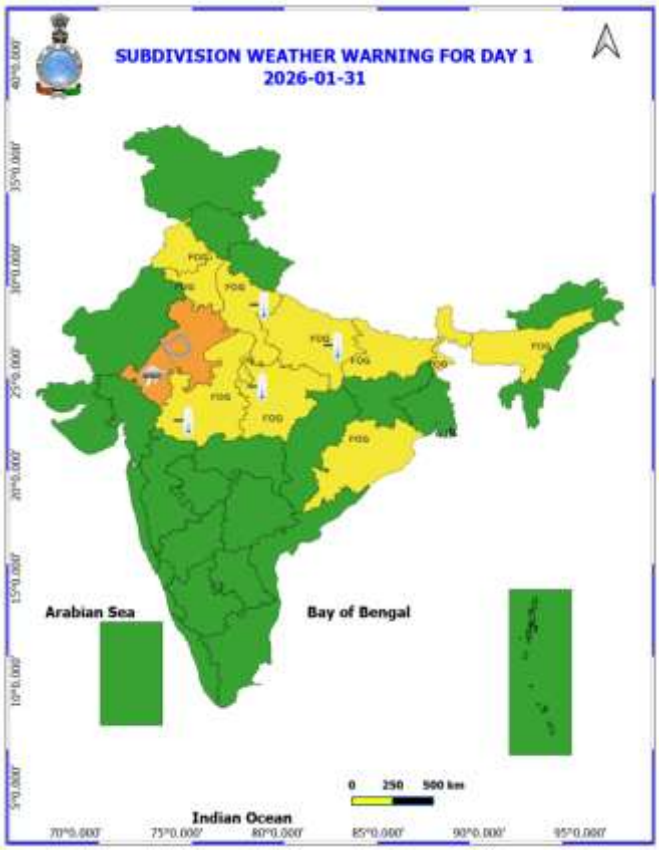
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-01-31
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

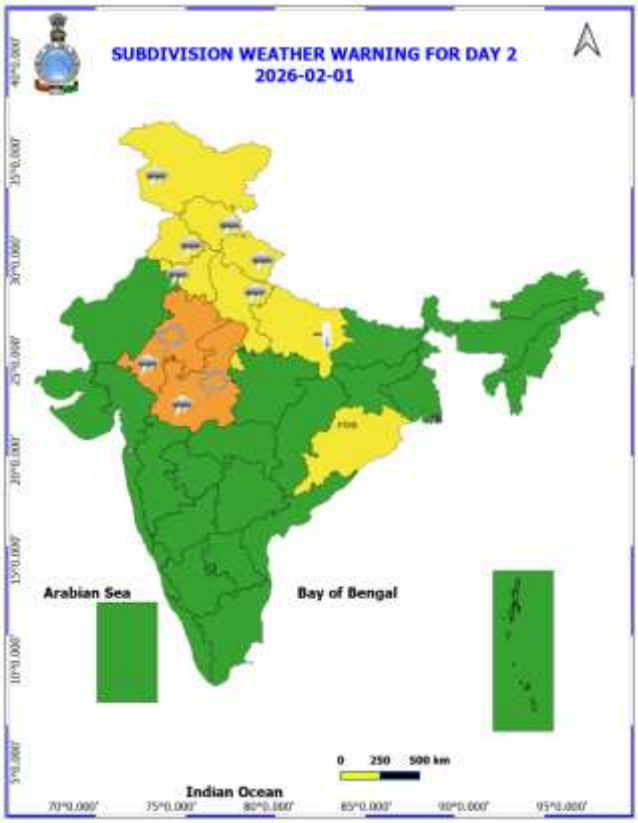
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-02-01
FOG
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

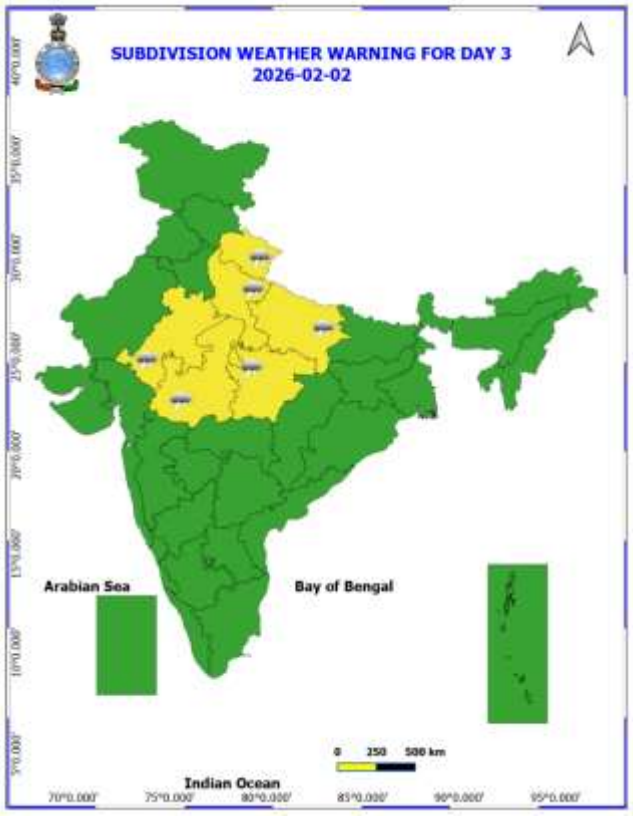
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-02-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

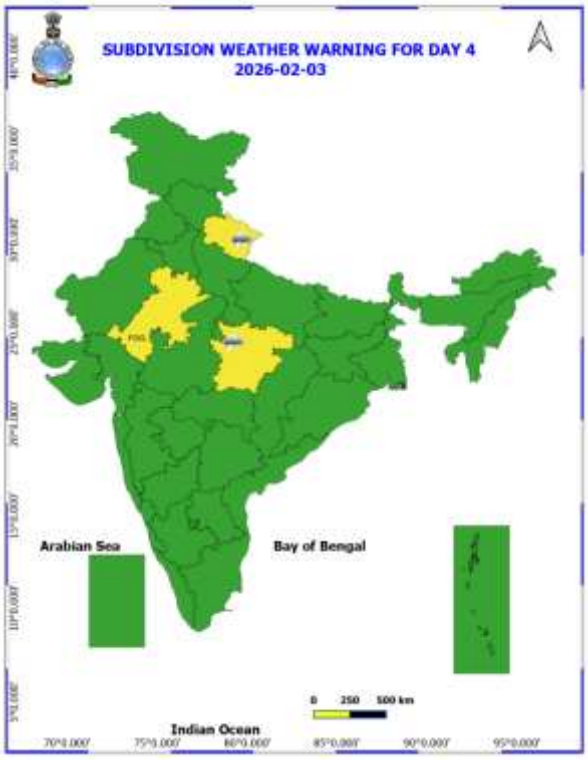

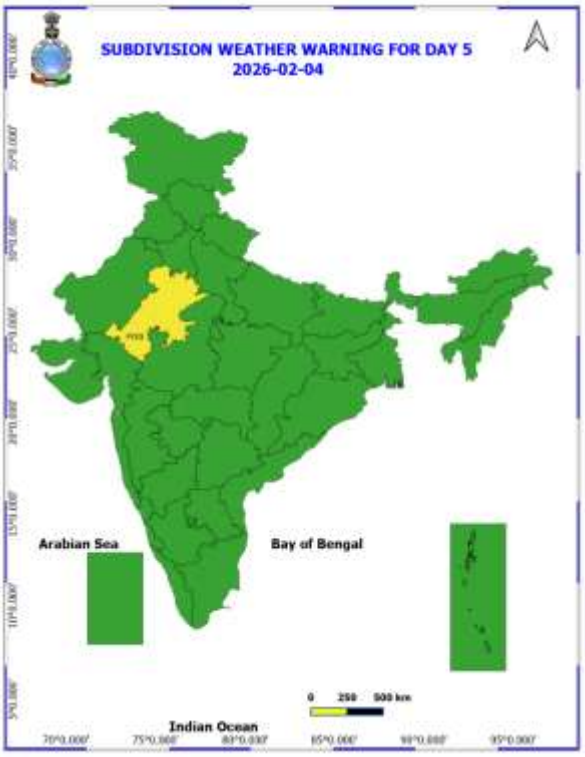

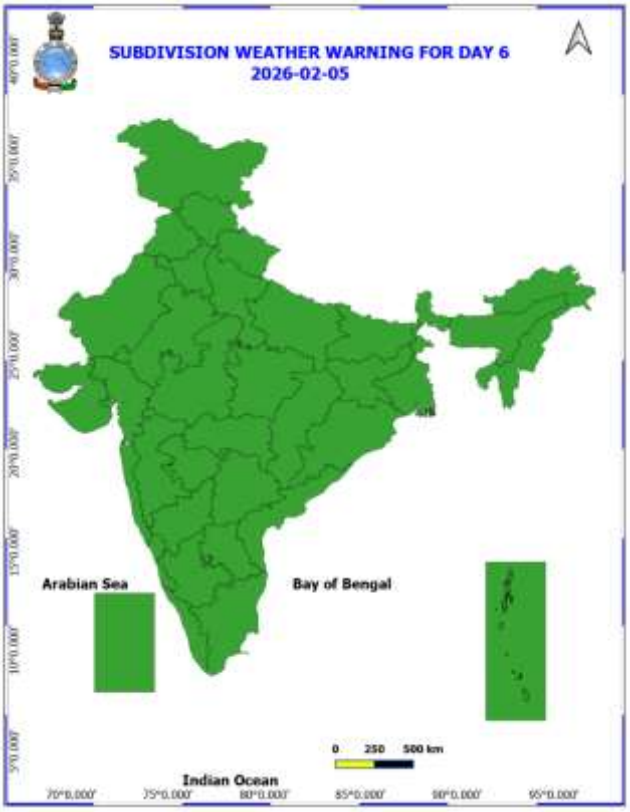

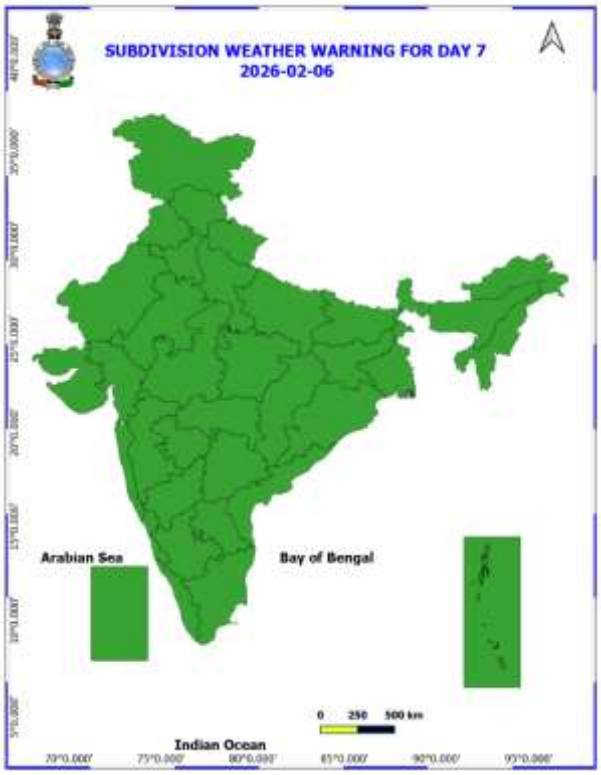

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

31 जनवरी से 03 फरवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1°C तक की गिरावट और अधिकतम तापमान में 3°C - 5°C तक की अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 19°C से 23°C और न्यूनतम तापमान क्रमशः 07°C - 08°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। सफदरजंग हवाई अड्डे पर 0730 IST से 1030 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 800m रही, जो इसके बाद आज, 31-01-2026 को 1100 IST से बढ़कर 1000m हो गई। पालम हवाई अड्डे पर 0800 IST से 0900 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 800m रही, जो इसके बाद आज, 31-01-2026 को 0930 IST से बढ़कर 900m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवाएं मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। आज सुबह क्षेत्र में पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

मौसम पूर्वानुमान:

31.01.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है जो दोपहर/शाम तक आमतौर पर बादल छाए रहेंगे, साथ ही रात में गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बहुत हल्की बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 21°C से 23°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सतह पर मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति दोपहर के समय 10 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर पूर्व दिशा से 08 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

01.02.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह-सुबह से लेकर दोपहर तक गरज-चमक और तेज़ हवाओं (गति 30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दोपहर से शाम तक गरज-चमक के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर आ सकता है। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 10°C से 12°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतह पर मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, सुबह के समय शांत हवा के साथ हवा की गति 05 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 08 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 05 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

02.02.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 11°C से 13°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतह पर मुख्य हवा उत्तर दिशा से चलने की संभावना है, सुबह के समय शांत हवा के साथ हवा की गति 05 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर दिशा से 08 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। 03.02.2026: आसमान में आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की से मध्यम धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 10°C से 12°C के बीच रहने की संभावना है। सतह पर मुख्य हवा उत्तर दिशा से चलेगी और सुबह के समय हवा की गति शांत हवा के साथ 05 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति बढ़कर उत्तर दिशा से 12 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

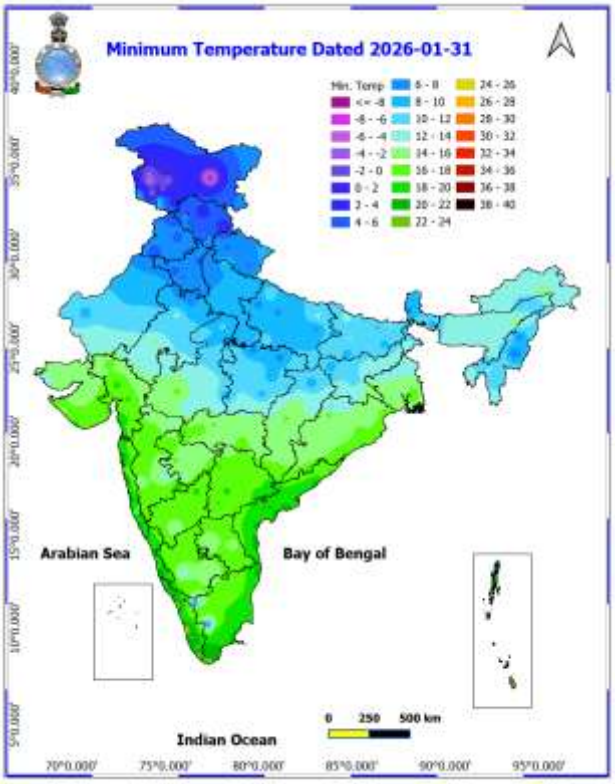

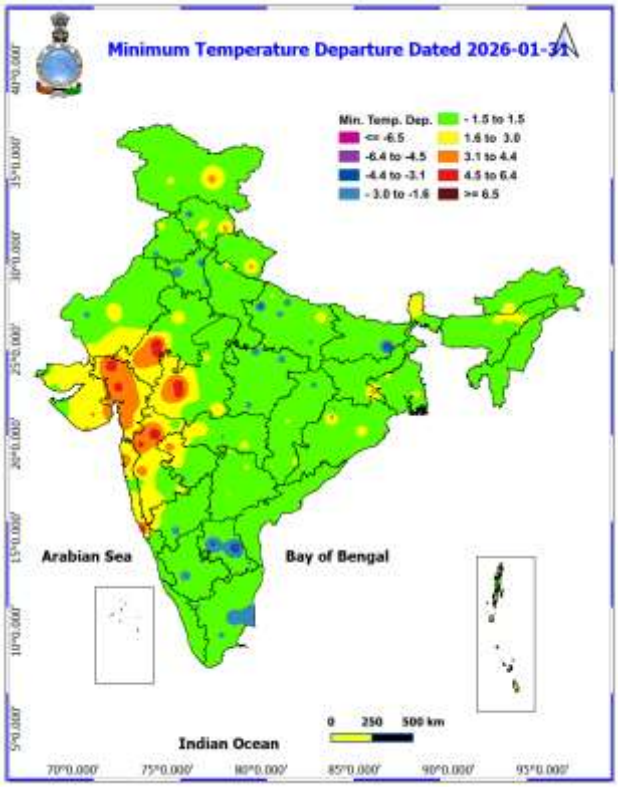

30 जनवरी 2026 को 0830 बजे IST पर मैदानी इलाकों में रिपोर्ट किया गया न्यूनतम तापमान (≤8°C)।

Station	State	Temperature
FARIDKOT	PUNJAB	3.8
KARNAL	Haryana	4.5
HISSAR	Haryana	4.9
LUDHIANA	PUNJAB	5.4
PATIALA	PUNJAB	5.6
KHAJURAHO	Madhya Pradesh	6
AMRITSAR	PUNJAB	6.2
REWA	Madhya Pradesh	6.4
HARDOI	UTTAR PRADESH	6.5
AYANAGAR	NEW DELHI	6.6
MUZAFFAR NAGAR	BIHAR	6.6
SAFDARJUNG	NEW DELHI	6.7
MEERUT	UTTAR PRADESH	6.8
AMBALA	PUNJAB	7
BARABANKI	UTTAR PRADESH	7
SRIGANGANAGAR	RAJASTHAN	7.3
RIDGE	NEW DELHI	7.7
CHANDIGARH	CHANDIGARH	7.7
ROHTAK	Haryana	7.8
PACHMARHI	Madhya Pradesh	7.8
DATIA	Madhya Pradesh	7.8
SABAUR	BIHAR	7.8
UMARIA	Madhya Pradesh	7.9

अलग-अलग जगहों पर बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि के साथ गरज-चमक वाले तूफान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कदम

- ❖ 31 जनवरी को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 01 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में और 01-02 फरवरी को उत्तराखंड में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 50 किमी प्रति घंटे तक) के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- ❖ 01 फरवरी को पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ में और 01-03 फरवरी के दौरान उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में; 31 जनवरी -02 फरवरी के दौरान पूर्वी राजस्थान में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 50 किमी प्रति घंटे तक) के साथ कुछ जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 जनवरी-01 फरवरी को पूर्वी राजस्थान में और 01 फरवरी, 2026 को पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी कुछ जगहों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की डालियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी डालियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ डालियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओले बागवानी, खेती और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- ❖ ओलों से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को हल्का नुकसान हो सकता है।
- ❖ ढीली चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए कदम:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नज़र रखें और हालात बिगड़ने पर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें।
- ❖ सुरक्षित जगहों पर शरण लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से सटकर न खड़े हों।
- ❖ बिजली के उपकरणों को अनप्लग कर दें।
- ❖ तुरंत पानी वाली जगहों से बाहर निकल जाएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ 1 फरवरी तक असम और मेघालय, सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में सुबह/रात के घंटों के दौरान; फरवरी तक ओडिशा और 4 और 5 फरवरी को पूर्वी राजस्थान में ऐसा होने की संभावना है।

परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

ठंडे दिन/बहुत ठंडे दिन की स्थितियों के कारण संभावित प्रभाव:

❖ 31 जनवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और 31 जनवरी और 01 फरवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में ठंडे दिन की स्थिति रहने की संभावना है।

❖ फ्लू, बहती/बंद नाक या नाक से खून आने जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से होती हैं या बढ़ जाती हैं।

❖ कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है। घर के अंदर रहें।

❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और आखिरकार उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और/या कान के लोब जैसे शरीर के खुले हिस्सों पर काले छाले पड़ जाते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तुरंत मेडिकल ध्यान और इलाज की ज़रूरत होती है।

❖ कुछ जगहों पर कृषि, फसल, पशुधन, पानी की आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव।

सुझाए गए कार्य:

❖ ढीले-ढाले, हल्के; गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।

❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैर की उंगलियों को अच्छी तरह से ढकें क्योंकि शरीर की अधिकांश गर्मी इन्हीं हिस्सों से निकलती है। भारी कपड़े की एक परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के; गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।

❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, खासकर गर्म तरल पदार्थ पिएं।

❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।

❖ सूखे रहें, अगर गीले हो जाएं, तो शरीर की गर्मी के नुकसान को रोकने के लिए तुरंत कपड़े बदलें। इंसुलेटेड/वॉटरप्रूफ जूते पहनें।

❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को हल्के गर्म पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।

❖ अगर प्रभावित त्वचा का हिस्सा काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

❖ ज़हरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का इस्तेमाल करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।

- बिजली और गैस हीटिंग उपकरणों का इस्तेमाल करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- कमज़ोर लोगों के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने की ज़रूरत है।
- फ्रॉस्टबाइट/हाइपोथर्मिया से पीड़ित किसी भी व्यक्ति के लिए जितनी जल्दी हो सके मेडिकल सहायता लें।
- पशुधन को ठंडे मौसम से बचाएं।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह

- पश्चिमी मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में बागों और सब्जियों के पौधों की सुरक्षा के लिए ओला जाल का उपयोग करें।

आंधी/तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह

- तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहायता प्रदान करें और सब्जियों और युवा फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा दें। पशुधन
- ओलावृष्टि के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें। चारे और भूसे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर स्टोर करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

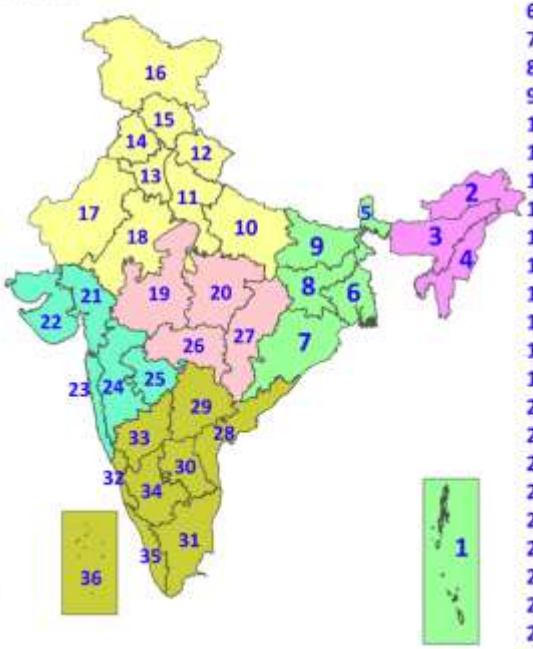

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)